प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र
कक्षा-X
हिंदी पाठ्यक्रम-'अ'

समय -3 घंटे **अंक - 100**

	खंड 'क'	
1.	नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है, उसकी अटारियाँ, मीनार और गुंबद बनते हैं; लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। उसे देखने को भी जी नहीं चाहेगा। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए अनंत है, अबोध्य हैं, अगम्य है। साहित्य मनुष्य की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं, हमें मालूम नहीं; लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है। जिनसे वह इधर-उधर नहीं हो सकता। जीवन का उद्देश्य ही आनंद है। मनुष्य जीवन-पर्यंत आनंद ही की खोज में लगा रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन, में किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनंद, इस आनंद से ऊँचा है, इससे पवित्र है, उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है, उसी आनंद को दर्साना, वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य या भोग के आनन्द में ग्लानि छिपी होती है। उससे अरुचि भी हो सकती है, पश्चाताप भी हो सकता है; पर सुंदर से जो आनंद प्राप्त होता है, वह अखंड है, अमर है। (क) साहित्य और जीवन में क्या संबंध है? (ख) साहित्य मनुष्य के सामने जवाबदेह क्यों है? (ग) मनुष्य जीवन भर किस खोज में लगा रहता है और क्यों? (घ) साहित्य के आनंद का क्या आधार है? (ड) साहित्य का क्या उद्देश्य है?	10
2.	नीचे दिए गए गद्यांश ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित पाँच प्रश्न बनाइए। समुद्र निरंतर चंचल रहता है। पृथ्वी के बराबर घूमते रहने से और ग्रहों के खिंचाव से ज्वार-भाटा उठता ही रहता है। परंतु जब और जहाँ कहीं तूफान आता है वहाँ तूफान के बीत जाने पर भी कई घंटे तक बराबर जल में थर्राहट बनी रहती है, क्योंकि जल बड़ा ही स्थितिस्थापक है। तूफान का कंपन बड़ी देर में मिटता है और बहुत दूर तक जाता है। वायु के कारण तो लहरें उठती ही रहती हैं। कहीं-कहीं तो, जैसे फराडी की खाड़ी में, सैंतालीस-अड़तालीस हाथ ऊँची मेड़े उठती हैं और कन्याकुमारी के घाट की तरह कहीं-कहीं जल शांत होता है, जैसा कि साधारणत: तालाबों में हुआ करता है। समुद्र की गति में सब में भयानक चीज भँवर या भ्रमरावर्त्त है जो लहरोंवाली धारा के दो भागों में बँट जाने से बनता है। सह चूसने की विचित्र शक्ति रखता है और इसके चक्कर में पड़कर कोई चीज बच नहीं सकती। सूर्य की भिन्न-भिन्न स्थितियों से सागर के ऊपरी तक के तापक्रम, घनता और वायुवेग में देश-विदेश में बराबर अंतर पड़ता रहता है। इन कारणों से जल के नीचे-ऊपर की गति तो बहुत मंद हुआ करती है, परंतु सीधी दिशाओं में वेग से धारा चलती रहती है। संपूर्ण सागर में सर्वत्र धाराओं की-सी गति नहीं है। महाद्वीपों को घेरते हुए सागर के भागों में नदियों की धारा की तरह पचासों मील के पाट में सागर की धाराएँ बहती हैं। विशाल विस्तृत जल के फैलाव के भीतर ऐसी धारा भी दीखती है और उसके दोनों किनारे भी साफ अलग मालूम पड़ते हैं। खाड़ी धारा (गल्फ स्ट्रीम) के नाम से प्रसिद्ध धारा कई सौ मील की चौड़ाई में पाँच मील प्रति घंटे के वेग से बहती है। इसका नाम खाड़ी धारा (गल्फ स्ट्रीम) इसलिए पड़ा कि यह मैक्सिको की खाड़ी से चलती है और अत्यंत नमकीन गरम पानी की नदी के रूप में फ्लोरिडा के डमरूमध्य से होकर निकलती है और हटेरा के अंतरीप को छोड़कर पूरब की तरफ को बल खाती हुई अतलांतक महासागर में फैल जाती है।	5

	खंड 'ख'	
3.	निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। (क) आपने हाल ही में कोई फिल्म देखी होगी। वह फिल्म आपको कैसी लगी। उसकी कथा, घटनाएँ, दृश्य, पात्र, संवाद कैसे लगे। उस फिल्म की कौन-सी बात वास्तविक जीवन के निकट है? आपको उससे क्या प्रेरणा मिली? (ख) आपने किसी लोक या शास्त्रीय गायन, वादन या नृत्य का कोई कार्यक्रम देखा होगा। उस कार्यक्रम का आँखों देखा वर्णन करते हुए अपने रोमांचक अनुभव को शब्दबद्ध कीजिए। (ग) आप महानगर में किसी ट्रैफिक जाम फँस गए हैं। उस ट्रैफिक जाम के कारण आपको जिन परेशानियों का सामना करना पड़ा उसको ध्यान में रखते हुए बताइए कि इस समस्या का समाधान कैसे हो सकता है?	7
4.	आप अपने क्षेत्र के पेड़-पौधों के अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए जिलाधिकारी को पत्र लिखिए। अथवा सूचना और संचार तंत्र की बढ़ती लोकप्रियता के कारण पत्र-लेखन पीछे छूट गया है। अपने मित्र को पत्र-लेखन के महत्व को रेखांकित करते हुए एक पत्र लिखिए।	4
5.	मुख पृष्ठ हेतु तीन समाचार, व्यापार पृष्ठ हेतु दो समाचार, अजूबा पृष्ठ हेतु तीन समाचार लिखिए। अथवा समाचार-पत्र के मुख पृष्ठ पर आप कौन-से पाँच मुख्य समाचार पढ़ना चाहेंगे, उन्हें लिखिए। केवल मुख्य पंक्तियाँ ही लिखें।	4
	खंड 'ग'	
6.	क्रिया छाँटकर भेद लिखिए– i) रचना सुबह टहलती है। ii) गरीब किसान होरी के पास बैल नहीं है। iii) पुस्तक मेले से महादेवी की यामा लेते आना।	3
7.	समुच्चय बोधक अव्यय छाँटिए– i) अणिमा ईमानदार है तो भी उस पर शक किया गया।	1
8.	क्रिया विशेषण छाँटकर भेद भी लिखिए– i) यह ध्यान पूर्वक सुनता है।	1
9.	किन्हीं दो निपातों को अपने वाक्य में प्रयुक्त कीजिए।	2
10.	उपवाक्य छाँटकर भेद भी लिखिए– i) गीजर चला दो जिससे पानी गरम हो जाए। ii) जैसा चित्र वह बनाता है वैसा कोई नहीं बनाता। iii) अगर बड़ों की सुनोगे तो सदा सुखी रहोगे।	3
11.	वाच्य बदलिए– i) प्रधानाचार्य द्वारा विशेष योग्यता प्रमाणपत्र वितरित किए जाएँगे। ii) बीमारी के कारण उससे उठा नहीं जाता।	3

	iii) बच्चों ने मधुर गाने गाए।	
12.	सामासिक पदों का विग्रह करके समास का नाम बताइए। सुलोचना, महामानन, यथोचित, पददलित	2
	खंड 'घ'	
13.	निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।	6
	(क) हमारैं हरि हारिल की लकरी। मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी। जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री। सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी। सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी। यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी।। (i) गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है? (ii) कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को गोपियों ने किस प्रकार अभिव्यक्त किया है? (iii) गोपियों को योग की शिक्षा कैसी लगती है और क्यों?	
	(ख) तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान मृतक में भी डाल देगी जान धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात... छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात परस पाकर तुम्हारा ही प्राण, पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल? (i) बच्चे के स्पर्श से कवि के मन पर क्या प्रभाव पड़ता है? (ii) बच्चे की मुसकान मृतक में भी जान डाल देती है कैसे? (ii) छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था कि बबूल? इन पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या व्यक्त करना चाहता है?	
14.	निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।। पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।। इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।। देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।। नीचे दिए गए प्रश्नों के चार-चार विकल्प दिए गए हैं। सही विकल्प चुनकर लिखिए– (i) प्रस्तुत काव्यांश की भाषा है– (क) ब्रज (ख) अवधी (ग) मैथिली (घ) राजस्थानी (ii) इस काव्यांश का छंद है– (क) चौपाई (ख) दोहा (ग) कवित्त (घ) मुक्तछंद (iii) 'अहो मुनीसु महाभट मानी' में कौन-सा अलंकार है– (क) यमक (ख) रूपक (ग) उपमा (घ) अनुप्रास	4

(iv) इन पंक्तियों में कौन-सा भाव व्यक्त हुआ है?

(क) प्रेम (ख) घृणा (ग) व्यंग्य (घ) विस्मय

अथवा

बादल, गरजो!–
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो–
बादल, गरजो!

(i) 'धाराधर' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है–

(क) धूप (ख) चाँदनी (ग) बिजली (घ) बादल

(ii) 'घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!' इस पंक्ति में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हुआ है जिसे कहते हैं–

(क) शब्द-सौंदर्य (ख) नाद-सौंदर्य (ग) प्राकृतिक सौंदर्य (घ) सुर सौंदर्य

(iii) इस गीत को कहेंगे–

(क) प्रेम गीत (ख) भक्ति गीत (ग) आह्वान गीत (घ) शौर्य गीत

(iv) यह किस युग की कविता है–

(क) छायावादी युग (ख) प्रगतिवादी युग (ग) भारतेंदु युग (घ) प्रयोगवादी युग

15. 'क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर?' कवि का मानना है कि समय बीत जाने पर भी उपलब्धि मनुष्य को आनंद देती है। क्या आप ऐसा मानते हैं? तर्क सहित लिखिए। 5

अथवा

'कन्यादान' कविता की वर्तमान प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

16. निम्नलिखित गंद्यांशों में से किन्हीं दो को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 12

(क) सचमुच हैरान करती है काशी–पक्का महाल से जैसे मलाई बरफ़ गया, संगीत, साहित्य और अदब की बहुत सारी परंपराएँ लुप्त हो गईं। एक सच्चे सुर साधक और सामाजिक की भाँति बिस्मिल्ला खाँ साहब को इन सबकी कमी खलती है। काशी में जिस तरह बाबा विश्वनाथ और बिस्मिला खाँ एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, उसी तरह मुहर्रम-ताजिया और होली-अबीर, गुलाल की गंगा-जमुनी संस्कृति भी एक दूसरे के पूरक रहे हैं। अभी जल्दी ही बहुत कुछ इतिहास बन चुका है। अभी आगे बहुत कुछ इतिहास बन जाएगा। फिर भी कुछ बचा है जो सिर्फ़ काशी में है। काशी आज भी संगीत के स्वर पर जगती और उसी की थापों पर सोती है। काशी में मरण भी मंगल माना गया है। काशी आनंदकानन है।

(i) काशी में हो रहे कौन-से परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को व्यथित करते थे?

(ii) काशी को आनंदकानन क्यों कहा है?

(iii) 'गंगा-जमुनी' संस्कृति से क्या तात्पर्य है?

(ख) फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है। उनको देखना करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था। मुझे 'परिमल'

के वे दिन याद आते हैं जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे जिसके बड़े फ़ादर बुल्के थे। हमारे हँसी-मज़ाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचनाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते। मुझे अपना बच्चा और फ़ादर का उसके मुख में पहली बार अन्न डालना याद आता है और नीली आँखों की चमक में तैरता वात्सल्य भी–जैसे किसी ऊँचाई पर देवदारु की छाया में खड़े हों।

(i) लेखक की दृष्टि में फ़ादर को याद करना एक उदास शांत संगीत सुनने जैसा क्यों है?

(ii) उपर्युक्त पंक्तियों में फ़ादर कामिल बुल्के की जो छवि उभरती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए?

(iii) 'परिमल' के बारे में आप क्या जानते हैं?

(ग) संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज़ को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब-जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की ज़रूरत है। मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

(i) मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है–का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) संस्कृति के बारे में लेखक का क्या दृष्टिकोण है?

(iii) लेखक ने ऐसा क्यों माना है कि संस्कृति की रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत नहीं होती।

17. निम्नलिखित प्रश्नों मे से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए– 8

(i) 'स्त्री शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' निबंध के आधार पर लिखिए कि शिक्षा प्रणाली और वर्तमान शिक्षा प्रणाली में क्या अंतर है? वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए अपने सुझाव दीजिए।

(ii) जब तक हालदार साहब ने कैप्टन को साक्षात् देखा नहीं था तब तक उनके मानस पटल पर उसका कौन-सा चित्र रहा होगा, अपनी कल्पना से लिखिए।

(iii) लेखिका ने बचपन में अपने भाइयों के साथ गिल्ली डंडा तथा पतंग उड़ाने जैसे खेल भी खेले किंतु लड़की होने के कारण उनका दायरा घर की चारदीवारी तक सीमित था। क्या आज भी लड़कियों के लिए स्थितियाँ ऐसी ही हैं या बदल गई हैं, अपने परिवेश के आधार पर लिखिए।

18. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 4

1. माता का अंचल पाठ में बच्चों की जो दुनिया रची गई है वह आपके बचपन की दुनिया से किस तरह भिन्न है?
2. आज की पत्रकारिता मैं चर्चित हस्तियों के पहनावे और उनकी खान-पान संबंधी आदतों के बारे में जानकारी देने का दौर चल पड़ा है-इस प्रकार की पत्रकारिता की सार्थकता-निरर्थकता के बारे में अपनी राय लिखिए।
3. साना साना हाथ जोड़ि...पाठ में जितेन कहता है कि 'पहाड़, नदी, झरने हम इनकी पूजा करते हैं इन्हें गन्दा करेंगे तो हम मर जाएँगे' परन्तु आज की पीढ़ी अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति को गंदा ही नहीं कर रही है बल्कि उसके साथ खिलवाड़ भी कर रही है इसे रोकने में आपकी क्या भूमिका होनी चाहिए।

19.	निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– 1. 'एही ठैया झुलनी हैरानी हो रामा' की दुलारी अथवा टुन्नू के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया और क्यों? 2. हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरूपयोग है आपकी दृष्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ–कहाँ और किस रूप में हो रहा है?	6